आपदा जोखिम
न्यूनीकरण कैलेण्डर
2026

श्री नीतीश कुमार

माननीय मुख्यमंत्री, बिहार -सह-
माननीय अध्यक्ष
बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

पूरा कैलेंडर देखने
के लिए स्कैन करें

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,
राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(बाएं से क्रमशः) प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय (से.नि.- भा.पु.से.), माननीय सदस्य श्री एस. डी. झा (से.नि.- भा.रा.से.), माननीय सदस्य श्री प्रकाश कुमार (से.नि.- बैंकिंग सेवा), माननीय सदस्य श्री (ई.) नरेंद्र कुमार सिंह, प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत (से.नि.- भा.अभि.से.) एवं माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र (से.नि.- सी.ई.ओ., टाटा ए.आई.जी.)।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

→ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 (53 की धारा 14) के प्रावधानों के अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. 3449/आ०प्र० दिनांक 06.11.2007 के द्वारा हुआ है।

→ माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष तथा मुख्य सचिव पदेन सदस्य सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हैं।

→ वर्तमान में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ० उदय कांत, भा०अभि०से० (से.नि.) तथा सदस्य श्री पारस नाथ राय, भा०पु०से० (से.नि.), श्री कौशल किशोर मिश्र (से.नि., एम.डी. एंड सी.ई.ओ., टाटा ए.आई.जी) श्री (ई.) नरेन्द्र कुमार सिंह, श्री प्रकाश कुमार (से.नि. बैंकिंग सेवा) एवं श्री एस. डी. झा, भा.रा.से. (से.नि.) नियुक्त एवं कार्यरत हैं।

→ 2005 की धारा 18 के अंतर्गत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को यह दायित्व सौंपा गया है कि वह राज्य में आपदा प्रबंधन की नीतियों एवं योजनाओं केनिर्माण के साथ-साथ निम्न विशिष्ट कार्यों को सम्पादित करें।

(क) राज्य आपदा प्रबंधन नीति का निर्धारण करना।

(ख) राष्ट्रीय प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य आपदा प्रबंधन योजना का अनुमोदन करना एवं कार्यान्वयन का समन्वय करना।

(ग) राज्य सरकार के विभागों द्वारा तैयार की गयी आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन करना।

(घ) राज्य सरकार के विभागों द्वारा उनकी विकास योजनाओं में आपदाओं की रोकथाम एवं शमन के उपायों को समाहित कराने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत जारी करना एवं आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना।

(ड.) आपदा शमन (Mitigation) और तैयारी उपायों के लिए निधियों की व्यवस्था करने की अनुशंसा राज्य सरकार से करना।

(च) राज्य के विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की समीक्षा कर सुनिश्चित करना कि आपदाओं की रोकथाम एवं न्यूनीकरण के उपाय योजनाओं में शामिल किये गये हों।

(छ) राज्य सरकार के विभागों द्वारा आपदा शमन (Mitigation), क्षमतावर्द्धन और तैयारी के लिए किये जा रहे उपायों की समीक्षा करना एवं आवश्यकतानुसार मार्गदर्शक सिद्धांत जारी करना।

→ अधिनियम की धारा 19 के अनुसार राज्य के आपदा प्रभावितों को राहत के लिए विस्तृत मानदंड तय करना, परंतु यह मानदंड किसी भी दशा में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानदंड से कम न हो।

→ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन करना।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का औचित्य

→ राज्य में लगभग सवा लाख से अधिक सरकारी, निजी, प्राथमिक, मध्य विद्यालय एवं मदरसे हैं। इनमें ज्यादातर विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थित है।

→ भौगोलिक परिस्थितियों, जोखिमों की अधिकता एवं जनसंख्या घनत्व को देखा जाय, तो बिहार राज्य बहुआपदा प्रवण क्षेत्र में आता है।राज्य के 38 जिलों में से अधिकतर भूकंप के खतरे की दृष्टि से संवेदनशील और अतिसंवेदनशील जोन में हैं। बाढ़ की संवेदनशीलता की दृष्टि से 15 जिले अति बाढ़ प्रवण क्षेत्र तथा 13 जिले बाढ़ प्रवण क्षेत्र में आते हैं। सड़क दुर्घटनाओं, वज्रपात, शीतलहर, लू एवं चक्रवाती तूफान, नाव दुर्घटना एवं डूबने की घटनाओं से राज्य में प्रतिवर्ष सैकड़ों मौतें हो रही हैं।

→ ऐसी नाजुक परिस्थितियों में सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले बच्चे ही होते हैं, क्योंकि उनमें आपदाओं के प्रभाव को सहन करने की क्षमता उतनी नहीं होती है जितनी वयस्कों में होती है। ऐसे में बच्चों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचने का ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक है।

→ बच्चों से संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम विद्यालय ही है। बिहार में विभिन्न आपदाओं से प्रभावित होने वाली आधी आबादी 18 साल से कम उम्र के बच्चों की है।

→ यदि बच्चे आपदाओं की तैयारियों, रोकथाम, न्यूनीकरण एवं रिस्पाँस में सक्रिय रूप से जुड़ेंगें तो न केवल वे सुरक्षित रहेंगे, बल्कि उनके माध्यम से समाज एवं राज्य को आपदाओं से सुरक्षित बनाने में सहायता मिलेगी।

→ इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2015 से राज्यभर के सभी विद्यालयों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत राज्य के सभी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में "सुरक्षित शनिवार" के माध्यम से इस कार्यक्रम को निरंतरता प्रदान की जा रही है। इसके तहत अब तक पूरे राज्य में लगभग 74,000 फोकल शिक्षक तैयार किए गए हैं। साथ ही मदरसों से 4,500 फोकल शिक्षक बनाए गए। इसकी मदद से करीब 2.5 करोड़ बच्चों को आपदाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम का लक्ष्य

→ बच्चों का विद्यालय में ही सुरक्षित रहना पर्याप्त नहीं है, अपितु उन्हें 'घर से विद्यालय एवं विद्यालय से घर तक' (Home to School and School to Home) सुरक्षित रखने की कोशिश की जा रही है।

→ इसके अंतर्गत विद्यालय स्तर पर निम्न कार्य किये जा रहे हैं:-

1. विद्यालय में किसी एक शिक्षक को फोकल शिक्षक के रूप में चिह्नित कर प्रशिक्षित किया गया है।
2. विद्यालय में बच्चों के संगठन जैसे मीना मंच, बाल संसद आदि में सक्रिय भागीदारी से विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति बनाई गई है।
3. विद्यालय में बच्चों को जोखिमों को पहचानने (हजार्ड हंट) का कौशल विकसित किया जा रहा है।
4. जोखिमों की पहचान करने के उपरांत विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना तैयार की गई है।
5. विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना के संबंध में चर्चा एवं चिह्नित खतरे तथा जोखिमों के कुप्रभाव को कम करने के उपायों की चर्चा विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक में की जाती है।
6. विद्यालय में शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति / विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों का उन्मुखीकरण किया जा रहा है।
7. विद्यालय के प्रत्येक वर्ग से बाल प्रेरक का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है।
8. बाल प्रेरकों द्वारा सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार फोकल शिक्षक की सहायता से निर्धारित गतिविधियां प्रत्येक शनिवार को क्रियान्वित की जा रही है।
9. बच्चों को दिये गये ज्ञान एवं कौशल का निरंतर अभ्यास कराया जा रहा है।
10. छात्रों को नियमित तौर पर कोविड के संबंध में जानकारी दी जाती है। विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की तर्ज पर ही सुरक्षित गुरूवार के तहत कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके तहत बच्चों को कोरोना के खतरे के प्रति आगाह किया जाता है।
11. इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के बारे में विशेष रूप से सिखाया जा रहा है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री के अत्यंत प्रभावी कार्यक्रम जल-जीवन-हरियाली से प्रेरणा ली गई है।
12. विद्यालयों के संरचनात्मक एवं गैर-संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यालयों का निर्माण आपदारोधी तकनीक से हो रहा है। भवनों को दिव्यांग सुगम्य बनाया जा रहा है।

गरम हो पोशाक, गरम हो खुराक

कड़ाके की ठंड में ज़िंदगी हो जाए आसान

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों की नायिका

सोनी वर्षा

उच्च विद्यालय, कदवा, नोखा, रोहतास की शिक्षिका सोनी वर्षा ने आपदा प्रशिक्षण हासिल करने के बाद ठंड में अचानक बेहोश हुए सहयोगी शिक्षक और छात्रा की प्राथमिक चिकित्सा कर जान बचाई। सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत सैकड़ों बच्चों को इसका प्रशिक्षण दे रही हैं।

जनवरी

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
				01	02	03
04	05	06	07	08	09	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23 बसंत पंचमी	24
25	26 गणतंत्र दिवस	27	28	29	30	31

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः शीतलहर से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी।

द्वितीय शनिवारः सड़क/रेल दुर्घटना से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी।

तृतीय शनिवारः भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास ।

चतुर्थ शनिवारः बाल शोषण, बाल विवाह व बाल अधिकार से संबंधी जानकारी।

पंचम शनिवार : स्वच्छता संबंधी जानकारी।

ठंड से बचने के उपाय

- गर्म पानी से स्नान करें, बहुत देर तक ठंडे फर्श पर न बैठें/न खड़े रहें।
- गर्म पेय लें — अदरक की चाय, काढ़ा, हल्दी-दूध।
- मुंह-नाक को ढंककर निकलें ताकि ठंडी हवा सीधे फेफड़ों में न जाए।
- ठंड में भारी व्यायाम करते समय वार्म-अप अच्छी तरह से करें।
- गीले कपड़ों को तुरंत बदलें, ये शरीर का तापमान तेजी से गिराते हैं।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

भूकंप आए, तो घबराएं नहीं

झुकें, ढंकें और मजबूत वस्तु पकड़कर टिके रहें

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

बैद्यनाथ पासवान

कोइली, नानपुर, सीतामढ़ी निवासी राजमिस्त्री बैद्यनाथ पासवान ने वर्ष-2018 में भूकंपरोधी संरचना बनाने का प्रशिक्षण हासिल किया। इसके बाद ये प्राधिकरण की मुहिम में जुड़ गए और 46 प्रखंडों में जाकर सैकड़ों राजमिस्त्रियों को अब तक इसका प्रशिक्षण देने का काम किया।

फरवरी

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
01 संत रविदास जयंती	02	03	04 शब-ए-बरात	05	06	07
08	09	10	11	12	13	14
15 महाशिवरात्रि	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)।

द्वितीय शनिवारः कुपोषण से होने वाली परेशानियां एवं उसका समाधान।

तृतीय शनिवारः (जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों के संरक्षण के संदर्भ में जानकारी।

चतुर्थ शनिवारः (जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों के संरक्षण के संदर्भ में जानकारी।

भूकंप से बचाव के लिए क्या करें ?

- भूकंप के दौरान शांत रहें और मजबूत वस्तु के नीचे छिप जाएं।
- कमरे के कोने में जाएं, गिरने वाली चीजों से दूरी बनाए रखें, सिर को बचाएं।
- झटका रुकते ही घर से बाहर निकलें और खुली सुरक्षित जगह पर आ जाएं।
- बहुमंजिली इमारत में रहते हैं, तो सीढ़ी का इस्तेमाल करें, लिफ्ट का नहीं।
- इमारतों और बिजली के खंभों आदि से दूर रहें। **भूकंपरोधी सुरक्षित घर बनाएं।**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों की नायिका

रुखमीना दीदी

सपना जीविका समूह से जुड़ीं कैमूर के भगवानपुर प्रखंड की रुखमीना दीदी ने पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए पहले नर्सरी खोली, 18 हजार से ज्यादा पौधे तैयार किए और अपने गांव के आस-पास में धरती को हरा-भरा बनाने में महती योगदान किया।

मार्च

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
01	02	03 होली	04 होली	05	06	07
08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21 इंदु उल फितर (ईद)
22 बिहार दिवस	23	24	25	26 सम्राट अशोक अष्टमी	27 राम नवमी	28
29	30	31 महावीर जयंती				

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः अगलगी से खतरे एवं बिजली के घात से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

द्वितीय शनिवारः चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी।

तृतीय शनिवारः भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)।

चतुर्थ शनिवारः मस्तिष्क ज्वर, AES/JE (चमकी बुखार) से बचाव के बारे में जानकारी।

जलवायु परिवर्तन

- जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक प्रभाव मौसम चक्र पर हो रहा है।
- अत्यधिक गर्मी, सर्दी तथा वर्षापात की अनियमितता जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।
- बिहार राज्य की लगभग तीन चौथाई आबादी जो अपनी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

आग से बचें, रहें सावधान

"रुको, लेटो, लुढ़को" का अपनाएं मंत्र

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों की नायिका

नेहा झा

सिटी नाका चैक, पूर्णिया की नेहा झा आग से खुद ही बुरी तरह जल गई। इसके बाद उन्होंने प्रण किया और वर्ष-2022 में सामुदायिक स्वयंसेवक का प्रशिक्षण लिया। अब तक करीब 2000 से ज्यादा महिलाओं को आग से सुरक्षित रहने का प्रशिक्षण दे चुकी हैं।

अप्रैल

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			01	02	03 गुड फ्राइडे	04
05	06	07	08	09	10	11
12	13	14 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	15	16	17	18
19	20	21	22	23 वीर कुंवर सिंह जयन्ती	24	25 जानकी नवमी
26	27	28	29	30		

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी।

द्वितीय शनिवारः बाल प्रेरकों का चयन, हजार्ड हंट एवं विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन /पुनर्गठन एवं योजना का निर्माण।

तृतीय शनिवारः लू से बचाव की जानकारी।

चतुर्थ शनिवारः अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी।

अगलगी से बचाव

- खाना बनाकर चूल्हे/स्टोव की आग को पूरी तरह बुझा दें।
- इलेक्ट्रिक वायरिंग की समय पर मरम्मत कराएँ ताकि शॉर्ट सर्किट न हो।
- ढीले या पॉलिस्टर कपड़े पहनकर खाना न बनाएँ — सिर्फ सूती कपड़े पहनें।
- घर/रसोई में हमेशा रेत/बालू और पानी तैयार रखें।
- आग लगने पर तुरंत 101 पर कॉल करें और "रुको, लेटो, लुढ़को" के नियम से कपड़ों में लगी आग बुझाएं।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरु पथ, पटना 800 023,
राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206
Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

लू /गर्म हवा से बचाव

जरूरी हो, तभी बाहर निकलें, खूब पानी पिएं

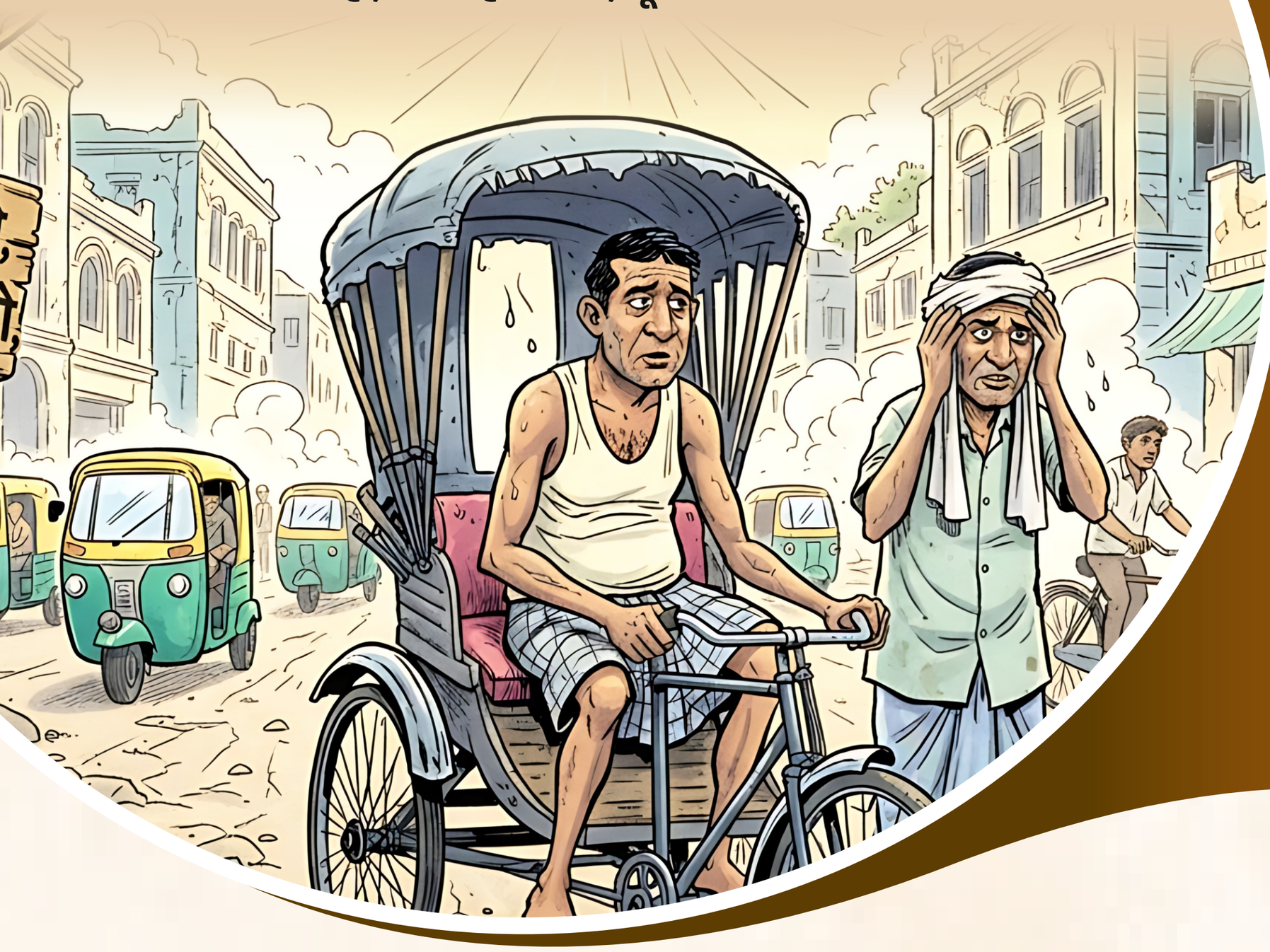

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

दिलीप कुमार उर्फ सिकंदर

भीषण गर्मी/लू से बचाव के लिए गया के सिविल लाइन थाना निवासी दिलीप कुमार उर्फ सिकंदर ब्रह्मयोनि पहाड़ और उसके आसपास वर्ष 1982 से लगातार पौधरोपण कर रहे हैं। अपने एकल प्रयास से अब तक एक लाख से ज्यादा पेड़ लगा चुके हैं।

मई

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31					01 मई दिवस / बुद्ध पूर्णिमा	02
03	04	05	06	07	08	09
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28 ईदुल-जोहा (बकरीद)	29	30

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी।

द्वितीय शनिवारः लू से बचाव की जानकारी।

तृतीय शनिवारः चक्रवाती तूफान/आंधी से खतरे एवं बचाव।

चतुर्थ शनिवारः लू से बचाव की जानकारी।

लू /गर्म हवा से बचाव

- गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी पिएँ।
- ORS तथा घर पर बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, आम का पन्ना आदि का उपयोग करें।
- खाली पेट न रहें, घर से निकलते समय हल्का भोजन अवश्य करें।
- धूप में बाहर जाते समय शरीर को ढकें, विशेषकर सिर, चेहरा इत्यादि ।
- मौसम की जानकारी टेलीविजन, रेडियो, समाचार-पत्र आदि से लेते रहें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

डूबने से बचाव

गहरे पानी में न जाएं, बच्चों का रखें खास ध्यान

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

अनीश कुमार

भागलपुर जिले के प्राथमिक विद्यालय, मंडल टोला, तुलसीपुर, खरीक की पांचवीं के छात्र "सुरक्षित शनिवार" कार्यक्रम से जुड़े अनीश कुमार ने 2 अगस्त, 2025 को दो बच्चियों को डूबने से बचाया। विद्यालय के पास गड्ढे में जलकुंभी के बीच बच्चियां फंस गई थीं।

जून

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	01	02	03	04	05	06
07	08	09	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26 मुहर्रम	27
28	29 कबीर जयन्ती	30				

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः डूबने से बचाव की जानकारी।

द्वितीय शनिवारः अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं अगलगी से बचाव का अभ्यास।

तृतीय शनिवारः अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं वज्रपात से बचाव का अभ्यास।

चतुर्थ शनिवारः अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं डूबने से बचाव का अभ्यास।

डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम

- खतरनाक घाटों के किनारों पर न जायें और न ही बच्चों को जाने दें।
- बच्चों को पुल/पुलिया/ऊंचे टीलों से कूद कर पानी में स्नान करने से रोकें। बसावट के पास गहरे गड्ढों को न होने दें।
- नदियों/तालाबों/गड्ढों आदि में गहराई का अनुमान होने पर ही पानी में उतरें।
- खतरनाक घाटों को चिह्नित करके लाल झंडे लगवाएं।
- डूबते व्यक्ति को धोती, साड़ी, रस्सी या बांस की सहायता से बचायें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

बादल गरजे, बिजली चमके

पेड़ के नीचे न खड़े हों, सुरक्षित रहें, घर में रहें

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

रोहित कुमार

औरंगाबाद जिले में सुरक्षित तैराकी के मास्टर ट्रेनर रोहित कुमार की टीम ने वर्ष 2025 में प्राधिकरण के जागरूकता अभियान के तहत पांच प्रखंडों के 1000 से अधिक गांवों में पहुंचकर समुदाय को वज्रपात के खतरों एवं बचाव से अवगत कराया।

जुलाई

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
			01	02	03	04
05	06	07	08	09	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः बाढ़ से बचाव हेतु कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास साथ ही जल-जमाव से परेशानियां एवं उसके निदान।

द्वितीय शनिवारः डूबने से बचाव की जानकारी।

तृतीय शनिवारः हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, आस-पास की साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन की जानकारी एवं अभ्यास।

चतुर्थ शनिवारः वज्रपात से बचाव की जानकारी।

ठनका/वज्रपात/बिजली गिरने से बचाव हेतु क्या करें ?

- जंगल में हैं तो बौने एवं घने पेड़ों की शरण लें।
- खुले में हैं तो यथाशीघ्र किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें।
- घर के अंदर बिजली से संचालित उपकरणों को बंद कर दें।
- कार / बस अथवा ढंके हुए वाहन के अंदर हैं, तो वहीं रहना सुरक्षित है।
- मौसम की ताजा सूचना के लिए "मौसम बिहार" ऐप डाउनलोड करें।

"मौसम बिहार" ऐप के लिए स्कैन करें

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

बाढ़ के समय रहें सुरक्षित

ऊँची जगह जाएं और चेतावनी का पालन करें

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

मोहम्मद आदम

बेलाटेढ़ा, किशनपुर, सुपौल निवासी मो. आदम ने "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2023 में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिले में वर्ष 2024 में आई भयावह बाढ़ के दौरान प्रशासन से समन्वय स्थापित कर 1785 लोगों को सुरक्षित आश्रय पर पहुंचाया।

अगस्त

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
30	31					01
02	03	04 चेहल्लुम	05	06	07	08
09	10	11	12	13	14	15 स्वतंत्रता दिवस
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26 हजरत मो साहब का जन्म दिवस	27	28	29

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः बाढ़ से खतरे एवं डूबने से बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं अभ्यास (मॉकड्रिल)।

द्वितीय शनिवारः पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय।

तृतीय शनिवारः सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते, बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जन्तुओं के काटने से होने वाली परेशानियां एवं उनके समाधान।

चतुर्थ शनिवारः नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

बाढ़ से सुरक्षा के उपाय

- बाढ़ की संभावना और बीते वर्षों में आई बाढ़ के सबसे उच्च स्तरों को जानें।
- आपातकालीन किट तैयार रखें, जिसमें सूखे खाद्य पदार्थ, पेयजल, आवश्यक दवाएँ, रेडियो, टॉर्च, महत्वपूर्ण दस्तावेज़, आवश्यक फोन नंबरों की सूची, मोमबत्ती, माचिस, रस्सी आदि शामिल हों। किट को हमेशा उपयोग हेतु तैयार अवस्था में रखें।
- प्राथमिक स्वास्थ्य तथा सहायता केंद्र स्थलों की जानकारी रखें।
- बाढ़ के मद्देनजर अपनी बहुमूल्य वस्तुओं और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रख लें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

नाव यात्रा बनाएं सुरक्षित

मौसम सही हो और हो लाइफ जैकेट, तभी करें सवारी

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

सुप्रशांत कुमार

मुंगेर में कष्टहरनी घाट के पास सवारियों से लदी नाव चट्टान से टकराकर डूबने लगी। नौका पर बच्चे सहित 12 व्यक्ति सवार थे। वहां मौजूद प्राधिकरण के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर सुप्रशांत कुमार ने साथियों सौरभ और विशाल के साथ मिलकर सबकी जान बचाई।

सितम्बर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		01	02	03	04 श्री कृष्ण जन्माष्टमी	05
06	07	08	09	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः डायरिया के संबंध में जानकारी तथा ओ.आर.एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण।

द्वितीय शनिवारः सड़क/रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

तृतीय शनिवारः भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)।

चतुर्थ शनिवारः नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

नाव दुर्घटना से बचाव

- जब तेज हवा / खराब मौसम/आँधी/बारिश हो रही हो तो नाव का संचालन न करें।
- सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद नाव की यात्रा न करें। यह खतरनाक हो सकता है।
- नाव से पानी निकालने/उलीचने के लिए नाव में आवश्यक बर्तन रखें।
- रात में नाव का परिचालन न करें यदि आवश्यक हो तो सक्षम प्राधिकार की अनुमति प्राप्त कर विशेष रोशनी के साथ करें।
- नौकाओं पर लाईफ जैकेट, प्राथमिक उपचार बॉक्स एवं रस्सी आदि रखना अनिवार्य है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

भगदड़ में न घबराएं

भीड़ में धक्का-मुक्की न करें, एक-दूसरे को सहारा दें

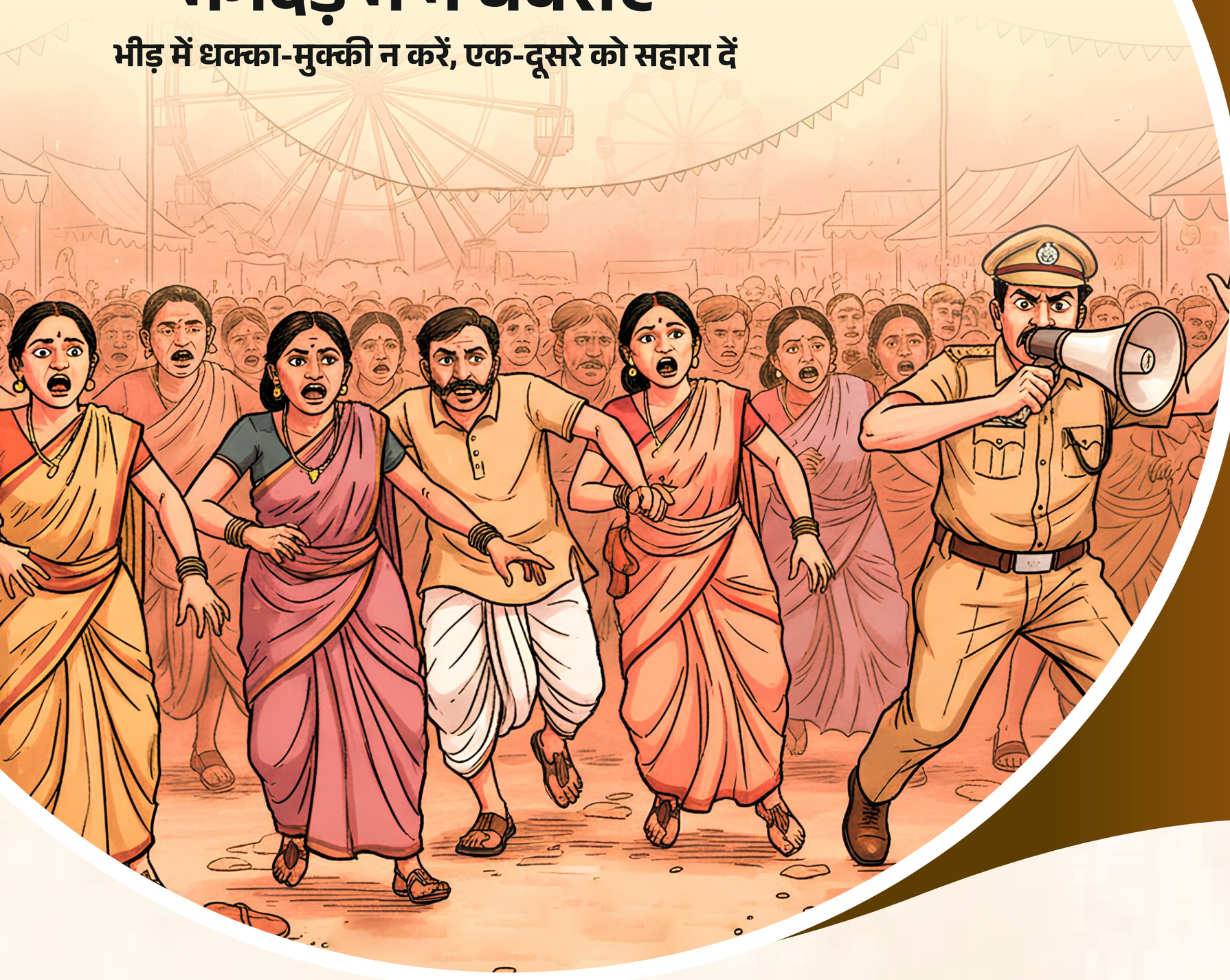

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

राजकिरण दास

बाराहाट, बांका निवासी प्रशिक्षित सामुदायिक स्वयंसेवक राजकिरण दास हर वर्ष मंदार मेले में अपनी टीम के साथ भीड़ नियंत्रण करते हैं। इस दौरान अचानक बेहोश या घायल हुए लोगों की प्राण रक्षा कर इन्होंने कर्तव्यपरायणता की मिसाल कायम की।

अक्टूबर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
					01	02 महात्मा गांधी जयन्ती
04	05	06	07	08	09	10
11	12	13	14	15	16	17 दुर्गा पूजा
18 दुर्गा पूजा	19 दुर्गा पूजा	20 दुर्गा पूजा	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

द्वितीय शनिवारः दशहरा / छठ / मुहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी।

तृतीय शनिवारः दीवाली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव।

चतुर्थ शनिवारः सड़क दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी।

पंचम शनिवारः स्वच्छता संबंधी जानकारी।

भगदड़ के दौरान सुरक्षा के उपाय

- भगदड़ की स्थिति में संयम रखें, शांत रहें और घबराएँ नहीं।
- किसी भी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।
- अपने बहुमूल्य सामानों की रक्षा स्वयं करें।
- बिजली के तारों और उपकरणों से दूर रहें।
- प्रशासन की ओर से की जाने वाली घोषणाओं को ध्यान से सुनें और उसके अनुसार व्यवहार करें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

धुआं और धूल से बचें

पेड़ लगाएं, स्वस्थ हवा में जीवन जिएं

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों की नायिका

ज्योति कुमारी

मध्य विद्यालय भनरा, चांदन, बांका की "सुरक्षित शनिवार" कार्यक्रम की प्रशिक्षित शिक्षिका ज्योति कुमारी की देखरेख में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में बच्चों ने सैकड़ों की संख्या में वृक्षारोपण किया। प्लास्टिक व पॉलीथिन के खिलाफ भी अभियान चलाया।

नवंबर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
01	02	03	04	05	06	07
08 दिपावली	09	10 चित्रगुप्त पूजा/मैयादूज	11	12	13	14
15 छठ पूजा	16 छठ पूजा	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी (प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर)।

द्वितीय शनिवारः डूबने से बचाव एवं नाव दुर्घटना के संदर्भ में जानकारी।

तृतीय शनिवारः भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)।

चतुर्थ शनिवारः शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी।

वायु प्रदूषण रोकथाम एवं बचाव

- वृक्षारोपण को बढ़ावा दें। पेड़-पौधों की देखभाल ठीक से करें।
- अधिक से अधिक साईकिल का इस्तेमाल करें। बेवजह हॉर्न न बजाएँ।
- किसी भी प्रकार के कचरे, फसलों के अवशेष, पुआल, ठोस कचरा, टायर, जैविक अपशिष्ट, सूखे पत्ते, भूसा आदि को खुले में न जलाएँ।
- अपने वाहनों की ट्यूनिंग सही रखें। अपनी गाड़ी का प्रदूषण स्तर महीने के अंतराल पर जाँच करवायें और उसे सही रखें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा

हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट बांधें, नियमों का करें पालन

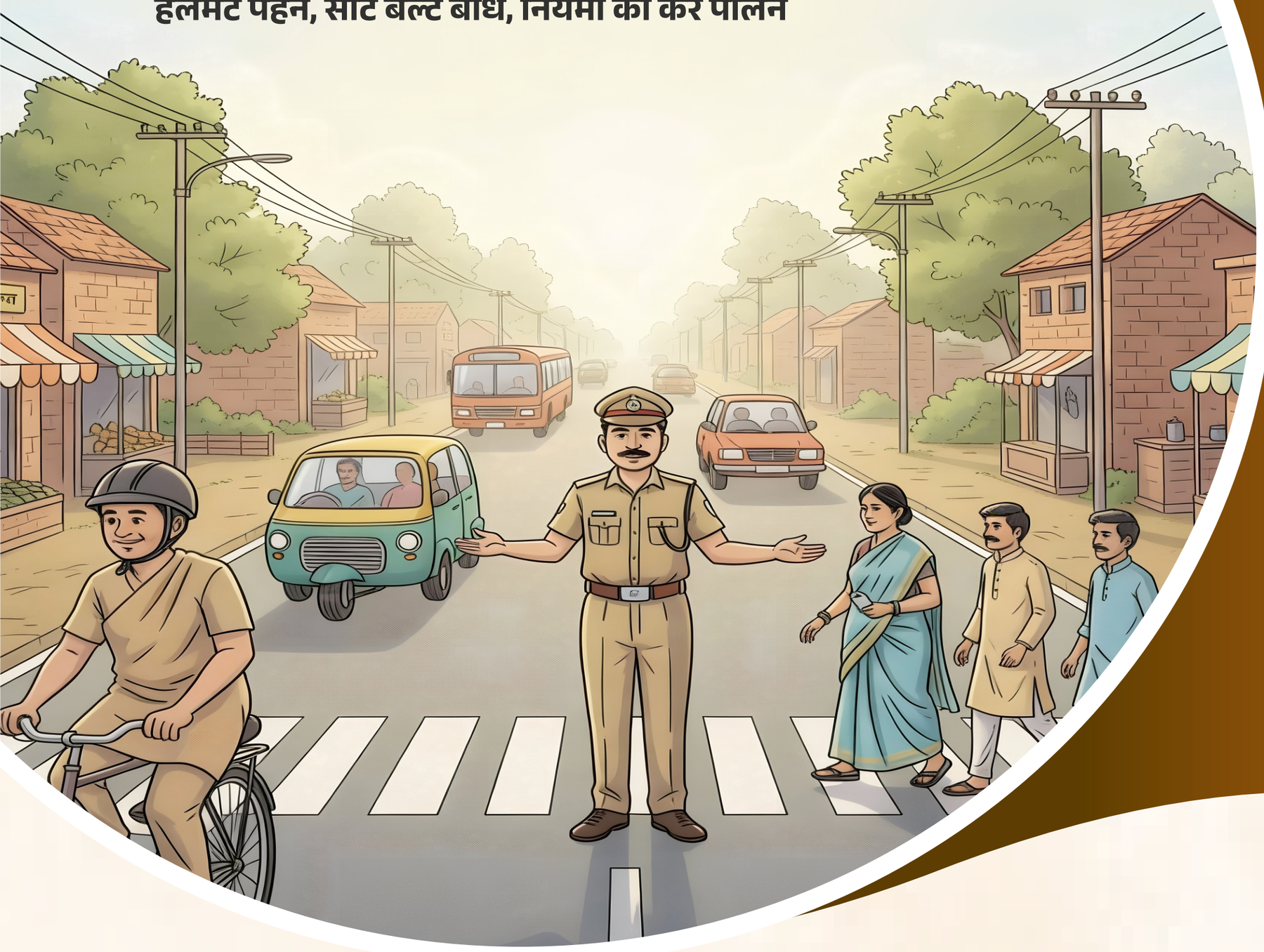

2026

प्रतिकूल परिस्थितियों का नायक

अभय कुमार

दिनांक 09.06.2024 को गांधी मैदान, पटना में स्कूटी व ऑटो के बीच टक्कर हो गई। प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित भिखाचक, अनिसाबाद, पटना निवासी स्वयंसेवक अभय कुमार ने घायल का प्राथमिक उपचार किया और अस्पताल में दाखिल कराया।

दिसंबर

SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		01	02	03	04	05
06	07	08	09	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25 क्रिसमस	26
27	28	29	30	31		

आपदा से बचाव के लिए सुरक्षित शनिवार

प्रथम शनिवारः निमोनिया, सर्दी-खांसी एवं जुकाम, आंख एवं त्वचा का संक्रमण, कोविड-19 तथा इससे बचाव।

द्वितीय शनिवारः हाथ धुलाई, खुले में शौच के ख़तरे, मल का सुरक्षित निपटान के संदर्भ में जानकारी।

तृतीय शनिवारः शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी।

चतुर्थ शनिवारः डूबने से बचाव, नाव दुर्घटना के संदर्भ में जानकारी।

दुर्घटना से कैसे बचें

- जल्दबाज़ी न करें, सड़क पार करने से पहले चारों तरफ ध्यान से देखें।
- वाहन नियंत्रित गति में चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें।
- मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग पर अपने वाहन को धीमा कर, दोनों दिशाओं में देखकर ही आगे बढ़ें।
- यात्रियों को बैठाने या उतारने के लिए वाहन हमेशा बायीं तरफ सड़क किनारे ही खड़ा करें।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

BIHAR STATE DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

सरदार पटेल भवन, 5वीं मंजिल, डी एवं ई ब्लॉक, नेहरू पथ, पटना 800 023,

राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र (State Emergency Operation Center)-0612-2294204-206

Website: www.bsdma.org | E-mail: info@bsdma.org | X : @BsdmaBihar

बिहार सरकार

आपदा में "क्या करें, क्या न करें" जानने के लिए स्कैन करें